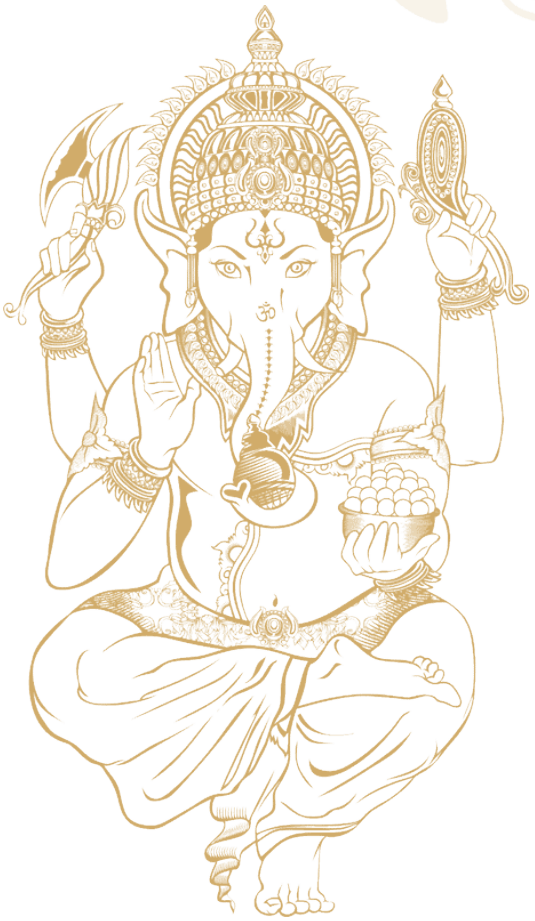

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121822802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/01/1999	जन्म तिथि	19/07/2004
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 47:07:43	जन्म समय(घटी)	05:26:22 घटी
India	देश	India
Iglas	स्थान	Hathras
27:43:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:56:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:16	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:54	सूर्योदय	05:34:17
17:34:13	सूर्यास्त	19:13:40
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:05

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 0मा 11दि	07:25:55	तुला	लग्न	सिंह	00:00:17	बुध 11वर्ष 6मा 22दि
गुरु	16:07:00	धनु	सूर्य	कर्क	02:50:10	शुक्र
12/01/2021	28:59:08	वृष	चंद्र	कर्क	20:55:59	09/02/2023
12/01/2037	24:28:11	कन्या	मंगल	कर्क	21:58:23	09/02/2043
गुरु 02/03/2023	27:13:35	वृश्चि	बुध	कर्क	28:32:16	शुक्र 11/06/2026
शनि 12/09/2025	28:04:44	कुंभ	गुरु	सिंह	22:18:42	सूर्य 11/06/2027
बुध 19/12/2027	01:21:35	मक	शुक्र	वृष	21:46:47	चन्द्र 09/02/2029
केतु 24/11/2028	02:55:55	मेष	शनि	मिथु	24:15:39	मंगल 11/04/2030
शुक्र 26/07/2031	29:02:25	कर्क व	राहु व	मेष	13:41:43	राहु 10/04/2033
सूर्य 13/05/2032	29:02:25	मक व	केतु व	तुला	13:41:43	गुरु 10/12/2035
चन्द्र 12/09/2033	17:06:33	मक	हर्ष व	कुंभ	12:18:57	शनि 09/02/2039
मंगल 19/08/2034	07:12:48	मक	नेप व	मक	20:33:24	बुध 10/12/2041
राहु 12/01/2037	15:16:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	26:04:35	केतु 09/02/2043

लग्न-चलित

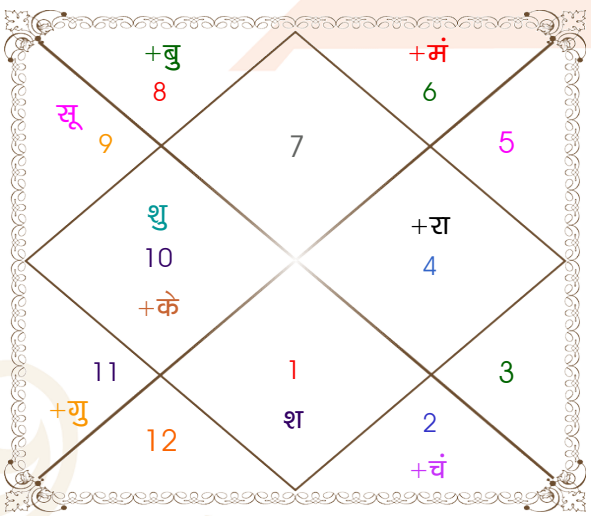

लग्न-चलित

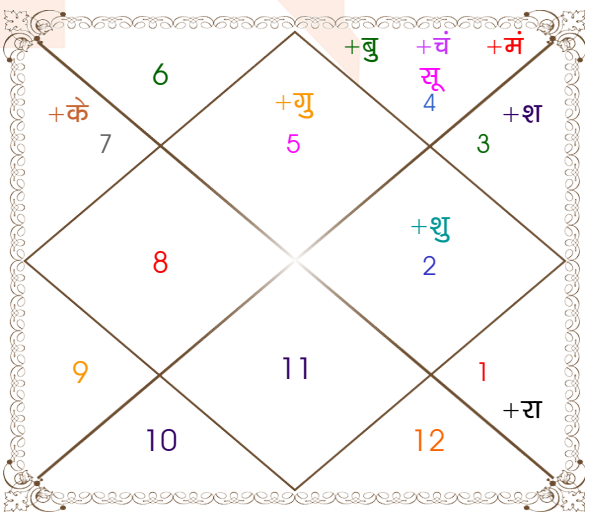

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।